This being the 2000th branch of the bank and that too in an unbanked area, the State Bank of India utilised this occasion to publicise its achievements and objectives by issuing advertisements in about 90 newspapers etc., both English and Indian languages, all over the country by incurring an expenditure of Rs. 1,09,000 from its general funds for publicity and another sum of Rs. 36,487.50 towards film shows, postrs and souvenirs.

गुजरात में नये कालेज

578. **श्री ना० कृ० शेजवलकर :**

श्री मानसिंह वर्मा :

क्या **शिक्षा और समाज कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गुजरात के विश्वविद्यालयों के उपकुलपतियों की हाल में हुई बैठक में यह आम राय प्रकट की गई थी कि भविष्य में केवल उन्हीं कालेजों को मान्यता दी जाये जो पिछड़े क्षेत्रों में खोले जायें; और

(ख) यदि हां, तो इसके संबंध में केन्द्रीय सरकार की प्रतिक्रिया क्या है ?

†[NEW COLLEGES IN GUJARAT

478. SHRI N. K. SHEJWALKAR :
SHRI MAN SINGH VARMA :

Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE/**शिक्षा और समाज कल्याण मंत्री** be pleased to state :

(a) whether it is a fact that it was a general opinion in a recent meeting of the Vice-Chancellors of the Universities situated in Gujarat that in future only those colleges should be granted recognition which are opened in backward areas; and

(b) if so, what is the Central Governmen's reaction in regard thereto?]

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय में उपमंत्री (श्री डी० पी० यादव) : (क) गुजरात सरकार द्वारा प्रेषित सूचना के अनुसार, बैठक में कुलपतियों की आम राय यह थी कि भविष्य में केवल उन्हीं कला, वाणिज्य तथा विधि कालेजों को सम्बद्ध किया जाना चाहिए। जो सरकार द्वारा अधिसूचित पिछड़े क्षेत्रों में खोले जाते हैं।

(ख) नये कालेजों के खोलने का उत्तरदायित्व राज्य सरकारों का है। गुजरात सरकार पहले ही यह निर्णय कर चुकी है कि जून, 1969 से प्रारम्भ किये गये नये कला तथा वाणिज्य कालेजों को अनुदान न दिया जायगा और इसके पश्चात् केवल उन कालेजों को, जो सरकार द्वारा अधिसूचित पिछड़े तालुकों में स्थित हैं !

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE/**शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय में उप मंत्री** (SHRI D. P. YADAV) : (a) According to the information furnished by the Gujarat Government, the general opinion of the Vice-Chancellors in the meeting was that in future only those Arts, Commerce and Law Colleges should be granted affiliation which are opened in the backward areas notified by the Government.

(b) Opening of new colleges is the responsibility of the State Governments. The Gujarat Government has already decided not to pay grant to new Arts and Commerce Colleges started from June 1969 and thereafter except to those situated in the backward Talukas notified by the government.]

उत्तर प्रदेश में उद्योगों को ऋण

479. **श्री नागेश्वर प्रसाद शाही :**

श्री सीता राम सिंह :

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, बस्ती, देवरिया और आजमगढ़ जिले के कितने लघु औद्योगिक एककों को 1-1-1970 से 31-3-1971 तक के दौरान राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा ऋण प्रदान किये गये; और

(ख) बैंकों के राष्ट्रीयकरण के पश्चात् उपरोक्त जिलों में लघु उद्योगों को राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा कितनी वित्तीय सहायता दी गई थी और उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कितनी वित्तीय सहायता की जरूरत है ?

†[LOANS TO INDUSTRIES IN U.P.

479. SHRI NAGESHWAR PRASAD SHAHI :
SHRI SITARAM SINGH :

Will the Minister of FINANCE/**वित्त मंत्री** be pleased to state :

†[ ] English translation.